कन्हैया लेलो रे अवतार | by Amit Kalra Meetu

कबसे धरा सिसकती कान्हा तुझको रही पुकार
अब तो लेलो रे अवतार अब तो लेलो रे अवतार
आकर बोझ उतारो मेरा ओ मेरे आधार
अब तो लेलो रे अवतार अब तो लेलो रे अवतार

पाप बढ़ा है धर्म घटा है घटती जाए उमरिया
दीन दुखी लाचार की अब ना लेता कोई खबरिया
सभी व्यवस्थित करो प्रभु अब व्यथित बहुत संसार
अब तो लेलो रे अवतार अब तो लेलो रे अवतार

सभी जगह घुस गई मिलावट रिश्तों में आहट है
धूमिल हुए है रिश्ते सारे आई कड़वाहट है
सभी मिलावट में डूबे तेरे दूध दही आहार
अब तो लेलो रे अवतार अब तो लेलो रे अवतार

पहले भी रक्षा करते हो झोली भरते आये
जब जब कोई तुम्हे पुकारे नंगे पाँव पठाये
मेरी प्रार्थना भी करुणा कर सुनलो कृष्ण मुरार
अब तो लेलो रे अवतार अब तो लेलो रे अवतार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%85%e0%a4%b5%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-amit-kalra-meetu/